DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
B.A. PART–III Public Admin– Paper–V
LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No................ Lecture– 12 Date 03/09/2020

लोक प्रशासन का क्षेत्र
Scope of public Admin

किसी विकासोन्मुख या उभरते हुये विषय के अध्ययन क्षेत्र को स्पष्ट रूप से बता देना कठिन है। क्योंकि इसका दायरा बहुत व्यापक हो सकता है। भले ही अभी कम दिखता हो। लोक प्रशासन भी एक उभरता हुआ एवं विकासोन्मुख अनुशासन है। जिसका वर्तमान स्वरूप विकास एवं विस्तार की ओर अभिमुख है। इसके विकासोन्मुख के क्षेत्र को सुनिश्चित करना कठिन एवं दुरूह कार्य है। यह विषय राज्य से जुड़ा हुआ है। इसलिये राज्य के कार्यों में विस्तार के साथ-2 इसके कार्यों में भी विस्तार होता जा रहा है। राज्य के समक्ष विभिन्न प्रकार की नई-नई समस्यायें एवं चुनौतियां आती रहती है। जिसका समाधान और मुकाबला करना लोक प्रशासन का उत्तरदायित्व होता है। लोककल्याणकारी राज्य के अस्तित्व में आने के बाद राज्य के कार्य क्षेत्र में अपार बढ़ोत्तरी हुई है। राज्य ने प्रत्येक व्यक्ति के पास अपनी पहुँच बना ली है। और इसका परिणाम यह है कि लोक प्रशासन का क्षेत्र व्यापक हो गया है। वैश्विकरण ने भी लोकप्रशासन के क्षेत्र को प्रभावित किया है। लोकप्रशासन के क्षेत्र के सम्बन्ध में मुख्यतः चार प्रमुख विचारधारायें प्रचलित हैं। जो क्रमशः इस प्रकार है—

P.T.O

Scanned with CamScanner

① संकुचित दृष्टिकोण – (Narrow view) – लोक प्रशासन के क्षेत्र के सम्बन्ध में संकुचित दृष्टिकोण का समर्थन मुख्यतः हर्बर्ट साइमन के द्वारा किया जाता है। लूथर गुलिक भी साइमन के समर्थन में खड़े दिखते हैं। इन विद्वानों का मानना है कि लोक प्रशासन सरकार की कार्यपालिका शाखा से सम्बन्धित है। तथा इसके अन्तर्गत सरकार की कार्यपालिका शाखा से सम्बन्धित कार्यों का ही अध्ययन किया जाता है। साइमन के मतानुसार "लोक प्रशासन का अभिप्राय उन कार्यों से है। जो केन्द्र राज्य तथा स्थानीय सरकारों की कार्यपालिका शाखा द्वारा सम्पादित की जाती है।" लूथर गुलिक ने भी कहा है कि "लोक प्रशासन का सम्बन्ध विशेषतः सरकार की कार्यपालिका से है।" दोनों विद्वानों के विचारों को ध्यान में रखते हुये कहा जा सकता है कि लोक प्रशासन में कार्यपालिका के संगठन, कार्यप्रणाली, एवं कार्यपद्धति का अध्ययन होता है।

संकुचित दृष्टिकोण कई निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है।

① लोक प्रशासन के अन्तर्गत कार्यरत कार्यपालिका अर्थात असैनिक कार्य पालिका का अध्ययन किया जाता है।

② लोक प्रशासन सामान्य प्रशासन के अध्ययन से सम्बन्धित है।

③ लोक प्रशासन के अध्ययन मे कार्मिक प्रशासन के अध्ययन पर ज्यादा बल दिया जाता है।

④ संगठन सम्बन्धी समस्याओं का अध्ययन भी लोक प्रशासन मे होता है।

⑤ सरकार के महत्वपूर्ण अंग कार्यपालिका का सम्बन्ध वित्तीय प्रशासन से होता है। जो लोक प्रशासन के अत्यन्त महत्व को रखता है।

अतः – लोक प्रशासन के अध्ययन के अन्तर्गत प्रशासन के उत्तरदायित्व के साथ-2 इसकी उपलब्धि को भी शामिल किया जाता है।

Conti - Next - Lect

Scanned with CamScanner